

32<sup>वीं</sup> वार्षिक आम बैठक  
32<sup>nd</sup> Annual General Meeting

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य  
Address of Chairman & Managing Director

23 सितम्बर, 2016  
23 September, 2016

एक लचीले पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण  
Nurturing a Resilient Ecosystem





## वार्षिक आम सभा हेतु गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक का संबोधन

### प्रिय शेयर स्वामियों,

32वीं वार्षिक आम सभा में आपके पधारने का धन्यवाद। इस अवसर पर आपका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है।

दिनांक 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा परीक्षित विवरण और लेखा परीक्षित समेकित वित्तीय विवरण तथा कंपनी के निदेशकों की रिपोर्ट सहित वार्षिक रिपोर्ट को पहले ही समय रहते भेज दिया गया था। आपकी सहमति से मैं इन्हें पढ़ लिया गया मानता हूँ।

समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में आपकी कंपनी ने भारत के ऊर्जा बास्केट में प्राकृतिक गैस के स्कोप को बढ़ाने के लिए विविध स्टेकधारकों को शामिल करते हुए पाइपलाइन उपयोगिता को बढ़ाने की दिशा में भी कार्य किया है। एलएनजी स्पॉट मूल्यों में कमी के कारण दीर्घकालिक एलएनजी/आरएलएनजी के विपणन में स्पॉट एलएनजी के मूल्यों में आ रही कमी के कारण उपस्थित चुनौतियों का अपस्ट्रीम आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिल कर सफलतापूर्वक

समाधान कर लिया गया है और मूल्य श्रृंखला में भुगतान की समस्या से बचाव कर लिया है। गेल ने पाता पेट्रोकेमिकल यूनिट में बढ़ी हुई क्षमताओं के व्यावसायिक प्रचालनों को स्टेबिलाइज कर लिया है।

वैश्विक परिचर्चा पर्यावरण परिवर्तन के इर्द गिर्द हावी रही और यह मत रहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा को तेजी से बढ़ाया जाए।

इस अवसर पर मैं उस विकास के बारे में बताना चाहूंगा जो प्रासंगिक बने रहने के लिए हमारे करोबारी मॉडल को बदलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

### आर्थिक परिदृश्य:

वैश्विक अर्थव्यवस्था समग्र मांग के बढ़ने में गिरावट की चिंता से संघर्षरत है। विकास सामग्रियों पर अस्थिर और गिरते हुए मूल्यों के दबाव दोनों ही के मॉडरेशन के द्वारा ही अर्थव्यवस्था में लगातार विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

भारत ने तनावग्रस्त वैश्विक मैक्रो वातावरण के बीच गतिशीलता बनाए रखी है। जीएसटी कार्यान्वयन के साथ प्रमुख सुधार खपत

द्वारा विकास को बढ़ावा देंगे। विभिन्न संस्थानों द्वारा दिए गए पूर्वानुमान इंगित करते हैं कि भारत के जीडीपी में वृद्धि आगामी वित्त वर्ष में भी 7.5% की दर पर बनी रहेगी।

### प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला परिदृश्य:

भारत सरकार प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में तेजी दिखा रहा है। पिछले एक वर्ष में कई नीतिगत उपाय किए गए हैं ताकि प्राकृतिक गैस की खपत को बढ़ाया जा सके। पॉवर क्षेत्र के लिए ई-बोली आरएलएनजी व्यवस्था ने 6 एमएमएससीएमडी से अधिक मात्रा से बाजार अवसरों में विस्तार सुनिश्चित किया है। स्वच्छ ऊर्जा की अनिवार्यता के कारण गैस आधारित पॉवर के उपयोग की आवश्यकता पॉवर क्षेत्र में गैस के विकास हेतु एक कारक हो सकता है।

शहर गैस वितरण कंपनियां भारत सरकार द्वारा सीएनजी एवं घरेलू पीएनजी सगमेंट को गैस आबंटन में प्रदत्त प्राथमिकता के साथ सशक्त नीतिगत बल सहित गैस के खुदरा विपणन में विस्तार के लिए कारोबारी नीतियों को नया आकार दे रही है। अत्याधुनिक टैक्नालॉजी के साथ बेंगलुरु में तेजी से कनेक्टिविटी में विस्तार पर प्राथमिकता के साथ बल दिया जा रहा है और प्रगति प्रभावशाली है। हैदराबाद शहर को गैस आपूर्तियों के साथ इस क्षेत्र में कार्य कर रही संयुक्त उद्यम कंपनी ने अपने नेटवर्क में आने वाले सभी खंडों में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए प्रयासों को नया रूप दिया है। अन्य मेट्रो नगरों में सीजीडी कंपनियों को बढ़ावा मिल रहा है और मैं सहर्ष आपको बताना चाहूंगा कि महानगर गैस लिमिटेड के आईपीओ को बेहद उत्साहजन प्रतिक्रिया मिली है जो प्रवर्तकों के द्वारा इन कंपनियों की देखभाल के प्रयासों के प्रति अत्यधिक विश्वास को प्रकट करता है। इस क्षेत्र के अंतर्गत प्रयासों से प्राकृतिक गैस खपत में अप्रत्याशित 15% की मात्रात्मक वृद्धि देखी गई है। दिए जा रहे बल एवं फोकस से आशा है कि यह सेक्टर भावी विकास को बनाए रखेगा।

आपको अवगत कराते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष के दौरान सबाइन पास टर्मिनल समय से पूर्व कमीशन हो गया है और निर्यात के आंकड़े बताते हैं कि भारत ट्रेन-1 एलएनजी कार्गो का तीसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है। परियोजना समय सीमा के आधार पर भारत वर्ष 2018 के प्रारंभ में अपने हिस्से का संविदागत कार्गो प्राप्त करने लगेगा। गेल एलएनजी ऑफ टेक कार्यक्रम के अनुसार पोतों को चार्टर पर लेने के लिए कार्य कर रहा है।

गैस परिसंचरण के कारोबार में ग्राहकों के पास प्रकार एवं गैस के स्रोत के आधार पर पसंद है कि वे या तो द्वार पर सुपुर्दगी संविदा या अपनी गैस मात्रा को अ ला कार्ट द्वारा नौवहन को चुने। यह डीईएस/एफओबी आदि जैसे उपलब्ध इंडो (INCO) टर्मस जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रथा के समान है और यह उपभोक्ता की पसंद और प्रयोजनों से परिचालित होती है।

गेल रीगैस टोलिंग क्षमता खंड में अपने बाजार अंश को बढ़ाने की दिशा में सक्रियतापूर्वक कार्य कर रहा है— (i) ब्रेक वाटर इन प्लेस के साथ दामोल टर्मिनल को सभी मौसम में कार्यक्षम पतन बनाने पर ध्यान केंद्रित करना (ii) काकिनाडा एफएसआरयू परियोजना को वर्ष 2018 के प्रारंभ में साकार करने के लिए आन्ध्र प्रदेश सरकार को शामिल किया गया है और (iii) धामरा पत्तन में भाग लेकर रीगैस क्षमता को पूर्वी दिशा से जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन को आरएलएनजी फीड के साथ जोड़ा जाना।

विविध इंडेक्सों के अपस्ट्रीम आपूर्तिकर्ताओं से दीर्घावधि के संविदा ढांचे के अंतर्गत निर्धारित मात्राओं की उपलब्धता, रीगैस क्षमता के दुगुना होने तथा अगले 3 से 5 वर्षों में समस्त भारत में सीजीडी नेटवर्क के विस्तार के साथ पूर्वी एवं दक्षिणी भारत में पाइपलाइनों के दुगुना होने के साथ प्राकृतिक गैस क्षेत्र एक उत्साहवर्धक युग में विद्यमान है।

### पेट्रोकेमिकल्स:

आज आपको यह सूचित करते हुए मैं सौभाग्य और गर्व का अनुभव कर रहा हूँ कि आपको कंपनी द्वारा इथलीन क्षमता 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष से अधिक हो गई है और यह भारत में सर्वाधिक है।

घरेलू गैस आबंटन में गंभीर कटौती के बावजूद यह खण्ड लाभप्रदता बनाए रखने की दिशा में अग्रसर है और स्थायी लाभप्रद प्रचालनों के लिए अभिनव उपाय किए जा रहे हैं।

### लाभ का अधिकतमीकरण-‘संचय’:

आपको यह बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले वर्ष शुरु की गई परियोजना ‘संचय’ ने ध्यान-केंद्रित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लाभ देना शुरु कर दिया है और पहचाने गए क्षेत्रों में किए गए प्रयासों से अगले 24 माह में व्यापक लाभ मिलने की संभावना है।

### पाइपलाइन पुनर्निर्माण परियोजनाएं:

जैसा कि मैंने पिछले वर्ष आपके साथ केजी/कावेरी बेसिन और गुजरात स्थित विभिन्न पाइपलाइनों परियोजनाओं की प्रगति को साझा किया था और ये सभी अनुसूची के अनुसार हैं। केजी/कावेरी बेसिन खण्ड में कुल 360 कि.मी. पाइपलाइन पुनर्निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और परियोजना का जनवरी, 2017 तक पूरा किया जाना निर्धारित है। गुजरात की 450 कि.मी. पाइपलाइन के उन्नयन के कार्य को वित्त वर्ष 2017-18 तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है।

आपकी कंपनी के निदेशक मण्डल ने 4538 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 670 कि.मी. विजयपुर-औरैया-फूलपुर पाइपलाइन खण्ड को मंजूरी प्रदान की है जिसे जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन परियोजना की कमीशनिंग के साथ तालमेल रखते हुए पूरा किया जाना संभावित है।



जगदीशपुर—हल्दिया—बोकारो—धामरा पाइपलाइन परियोजना को भारत सरकार के सहयोग से विकसित किया जा रहा है ताकि पूर्वी भारत में व्यावसायिक वहनीयता के साथ मार्गस्थ गैस आधारित अर्थव्यवस्था और उर्वरक संयंत्रों के विकास के उद्देश्यों को सुनिश्चित किया जा सके ।

### डिजिटल गेल की ओर प्रयास:

डिजिटल इंडिया एक आधारभूत शक्ति है जो सेवाओं की प्रभावशाली सुपुर्दगी को आकार दे रही है और गेल को एक स्मार्ट यूटीलिटी बना रही है। इस प्रयास में आपकी कंपनी डाटा एनालिटिक्स पर बल देते हुए प्रणाली में पहले ही विद्यमान डिजिटल पॉवर के प्रचालनों में त्वरित एवं कार्यक्षम निर्णय लेने पर बल दे रही है। विभिन्न क्रियाकलापों हेतु रिअल टाइम डैशबोर्ड विकसित कर दिया गया है जो सुरक्षित मोबाइल अनुप्रयोगों में इनेबल है ताकि त्वरित निष्पादन किया जा सके।

इसी समय मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता होती है कि गहन अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के अंतर्गत आपकी कंपनी ने उपग्रह आधारित अनुप्रयोग को इसरो के साथ मिलकर तैयार किया है जो उच्च गुणवत्ता की इमेजों के साथ पाइपलाइन निगरानी करेगा। आगामी महीनों में निगरानी के लिए आवश्यकतानुरूप उपग्रह इमेजिंग मोड का विस्तार नेटवर्क पर किया जाएगा।

खुदरा गैस बिक्री/सीजीडी में भी आपकी सहायक कंपनी ने इस क्षेत्र में स्मार्ट सिटी वातावरण के सृजन हेतु एक अवयव के रूप में डिजिटल बिल भुगतान विकल्प के साथ इलैक्ट्रॉनिक मीटरों की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई है।

### निष्पादन और लाभांश

कंपनी ने 51,614 करोड़ रुपये का सकल कारोबार करते हुए 2,229 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ अर्जित किया है जो घरेलू गैस उपलब्धता में लगातार आ रही गिरावट, पेट्रोकेमिकल उत्पादन के लिए फीडस्टॉक आपूर्ति में कटौती और गैस मात्रा की मांग में संकुचन के व्यापक चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद संभव हुआ है। यद्यपि, इस खण्ड में मार्जिन के कम होने और मूल्यों पर विपरीत दबावों ने साल-दर-साल आधार पर मार्जिन को लगभग 24% तक प्रभावित किया है, तथापि आपकी कंपनी के निदेशक मण्डल ने शेयरधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए प्रदत्त शेयर पूंजी पर 55% का लाभांश दिए जाने की संस्तुति की है।

### कॉर्पोरेट गवर्नेंस

गेल को वित्त वर्ष 2015-16 के लिए कैग द्वारा लगातार 7वें वर्ष 'शून्य' टिप्पणी मिली है। आपकी कंपनी हमेशा पूरे उद्यम में अपने सभी प्रयासों में अग्रसक्रिय हो कर नैतिक मानकों को सबसे ऊपर रखती है।

### सीएसआर.....समाज का हृदय जीतने का माध्यम:

पिछले वित्त वर्ष के दौरान इकोनामिक टाइम्स ने अक्टूबर, 2015 में प्रकाशित "सीएसआर हेतु श्रेष्ठ कंपनियां" पर एक अध्ययन में गेल को अग्रणी पीएसयू के रूप में सुविधाओं से वंचित समाज के जीवन को बेहतर बनाने और बदलाव लाने हेतु किए गए बुनियादी कार्यों के लिए देश की शीर्षस्थ 10 कंपनियों में से 7वां स्थान देकर विशेष मान्यता प्रदान की गई है। आपकी कंपनी ने विभिन्न सीएसआर विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आधे मिलियन से भी अधिक लोगों के जीवन को स्पर्श किया है। हमारे सीएसआर कार्यक्रम 'उत्कर्ष' ने एक बार फिर 94% प्रतिशत अभ्यर्थियों ने देश के टॉप रैंकिंग इंजीनियरिंग संस्थानों जिनमें उच्च शिक्षा के आधुनिक मंदिर प्रतिष्ठित आईआईटी शामिल हैं, में सफल होकर उत्कृष्ट परिणाम दिया है।

### समापन:

गेल स्वयं को संपूर्ण प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में और अधिक आक्रामक योजनाओं के साथ विस्तार और अपने ग्राहकों की बदलती हुई मांगों को पूरा करने तथा ग्राहकोंमुखी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने को अनुकूल बनाने पर फोकस करते हुए अपनी स्थिति को पुनर्निर्धारित कर रहा है।

### आभार:

मैं आपके प्रति आभार प्रकट करते हुए अपने को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि आपने कंपनी के प्रति अपना दृढ़ विश्वास व्यक्त किया है और निरंतर समर्थन प्रदान किया है। मैं केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और राज्य सरकारों के प्रति भी उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने गेल को राष्ट्र की सेवा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में संपोषित किया है।

यह वर्ष बोर्ड के नीति निर्धारक निर्णयों को आकार देने में अति व्यस्त का साक्षी रहा है और जिसने कंपनी की वृद्धि के परिणामों में विजयी स्थिति निर्मित की है। मैं गेल निदेशक मण्डल की समर्पित टीम के सदस्यों को गेल को एक सुनहरे कल के लिए तैयार करने में उनकी निष्ठा और योगदान के लिए धन्यवाद देता हूँ।

समर्पित और प्रतिभावान कार्य-दल गेल की ताकत का स्तंभ रहा है। मैं इनमें से एक-एक को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और कंपनी को आगे ले जाने के लिए अथक प्रयास किए हैं।

देवियों और सज्जनों आप सभी को धन्यवाद।



(बी. सी. त्रिपाठी)

23 सितम्बर, 2016

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

**टिप्पणी:** नई में दिनांक 23 सितम्बर 2016 को आयोजित 32वीं वार्षिक आम सभा में दिए गए अध्यक्ष के भाषण का उद्धरण। यह वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही का रिकार्ड नहीं है।



**Shri B.C. Tripathi**  
Chairman & Managing Director

## AGM Speech of Chairman & Managing Director- GAIL

### **Dear Share Owners,**

Thank You for joining us for the 32<sup>nd</sup> AGM. It is indeed a pleasure to extend a warm welcome to you on this occasion.

Annual Report comprising audited Financial Statements and audited Consolidated Financial Statements for the financial year ending March 31, 2016 and Directors' Report of the Company, have been circulated in advance and with your permission, I consider them as read.

In the financial year that culminated, Your Company also worked towards increasing utilisation of pipeline capacity by engaging with multitude stakeholders to enlarge scope of natural gas in India's energy basket. Challenges faced in marketing long-term LNG/RLNG portfolio due to decline in LNG spot prices were successfully resolved with upstream suppliers, averting a payment crisis along the value chain. GAIL also stabilised commercial operations of the expanded capacities at the Pata petrochemicals unit.

Global narrative remained dominated around climate change imperatives with a consensus to rapidly scale-up renewable energy.

In this context I take this opportunity to rather share developments that encourage us to re-model our business operations for staying relevant.

### **Economic Perspective:**

Global economy continues to struggle with concerns of dwindling aggregate demand growth. A steady growth of economies could only be confirmed with moderation both in volatility and downward pricing pressure on commodities.

India has been maintaining momentum even in the midst of a stressed-up global macro environment. Key reforms led by GST implementation shall spur consumption led growth. Projections by diverse institutions indicate that India is poised for a GDP growth of over 7.5% in the next fiscal year too.

## Natural Gas Value Chain Outlook:

Government has been steadfast in expanding natural gas based economy. Numerous policy measures were initiated during the past one year for driving consumption of natural gas. The e-bid RLNG mechanism for power sector has ensured expansion of the market opportunity by over 6 MMSCMD. The need of utilising gas based power due to clean energy imperatives could be a key driver of growth for gas in the power sector.

The CGD companies are re-shaping business strategy to expand retail marketing of gas on the back of a gas allocation priority accorded by Government of India to the CNG and domestic PNG segments. Emphasis has been on rapidly expanding connectivity in Bengaluru, with state-of-the-art technologies being taken up on a priority, and the progress has been impressive. With augmentation of gas supplies to Hyderabad City, the JV company operating in the region has renewed its efforts to improve connectivity across segments that potentially reside on its network. CGD companies in other metros have been gaining traction and I am happy to share that the IPO of Mahanagar Gas Ltd. has received an overwhelming response, reflecting immense confidence on the promoters' earnest endeavours in nurturing these enterprises. Efforts in the sector have yielded an unprecedented volumetric growth of about 15% in natural gas consumption. Given the emphasis and focus, it is expected that the sector shall continue to maintain promising growth.

Before I go any further, I am glad to share with you that Your Company has been accorded by the Cabinet Committee of Economic Affairs (CCEA) on 21.09.2016, to undertake 2539 km long Jagdishpur-Haldia-Bokaro-Dhamra pipeline project, along with the development of seven CGD projects at major locations enroute- Varanasi, Patna, Ranchi, Jamshedpur, Kolkata, Bhubaneswar and Cuttack by December 2020. This project will be undertaken at a cost of about Rs. 12,940 crore with an unprecedented support of Government of India by way of capital subsidy to the extent of 40% of the project cost. I am also happy to announce that an MoU with Dhamra Port for jointly developing an LNG terminal of 5 MMTPA capacity was signed on 21.09.2016 with GAIL's capacity share at 1.5 MMTPA.

This is also to share with you that the Sabine Pass terminal has been commissioned earlier during the year and exports data suggest India being the third largest recipient of train 1 LNG cargoes. Based on the project

schedules, India should be receiving its share of contractual cargoes from early 2018. GAIL is working towards charter hiring of ships in step with the LNG off-take schedule.

In the Gas Transmission business, the customers have a choice, depending on the type & source of gas, to either have contracts for end to end service through door delivery contracts or a-la-carte selection for shipping their gas volumes. This is akin to the international practice of commodity delivery services under DES/FOB etc., and is driven as per consumer choice and purpose.

GAIL has been actively involved in expanding its market share in the re-gas tolling capacity segment- i) by focussing on converting Dabhol terminal to an all-weather port with the break-water in place, ii) by way of engaging with the Government of Andhra Pradesh to shape Kakinada FSRU project into a reality by early 2018 and iii) by joining Dhamra Port for developing re-gas capacity to feed RLNG into Jagdishpur-Haldia-Bokaro-Dhamra pipeline from Eastern side.

The Natural Gas sector is on the cusp of an interesting era as more volumes are expected to roll out under various types of contract structures of diversified indexes, re-gas capacities are doubling-up, pipelines are penetrating the Eastern and Southern parts of India and CGD networks are expanding on a pan-India basis within the next 3-5 years.

## Petrochemicals:

It is a matter of pride and privilege to share with you today, that the combined ethylene capacity operated by Your Company and its subsidiary is over 1 Million tonnes per annum and is the largest in India.

The segment is moving towards maintaining profitability despite severe cut-back in domestic allocation of gas and innovative solutions of feedstock optimisation are being pursued to sustain profitable operations.

## Profit Maximisation-'Sanchay':

It is also a pleasure sharing with you that the project 'Sanchay' that we initiated during last year has been yielding significant returns in focussed areas. Substantial gains are expected to accrue within the next 24 months under the identified areas.

## Pipeline Revamp projects:

As shared with you, last year, the project progress of the various pipelines located at KG/Cauvery Basin and Gujarat are as per schedule. The 360 km aggregate pipeline revamp has significantly progressed in KG/Cauvery segments and are scheduled for completion by January

2017. The 450 km pipeline upgrades in Gujarat are expected to be completed by FY 2017-18.

Your Company's Board has also approved Vijaipur-Auraiya-Phulpur pipeline segment of 670 KM at an estimated cost of Rs. 4538 crore which is planned for synchronisation with Jagdishpur-Haldia-Bokaro-Dhamra pipeline project.

The Jagdishpur-Haldia-Bokaro-Dhamra pipeline project is being developed with the support of Government of India to ensure the objective of developing fertilizer plants and a commercially sustainable gas based economy in Eastern India.

#### Efforts towards Digital GAIL:

Digital India has been a fundamental force shaping efficient delivery of services towards making GAIL a smart utility. In this endeavour, Your Company is harnessing digital power already embedded in the systems, by laying thrust on data analytics for speedier and efficient decision making in operations. Real time information dashboards for various functionalities have been deployed and business transactions have been enabled over secure mobile applications to ensure speedier execution.

It gives me pleasure to share with you that under extensive R&D efforts, Your Company developed a satellite based application in collaboration with ISRO for pipeline surveillance, with imaging on high resolution formats. On need basis this facility shall be expanded over networks and even for pipeline route selection in future.

Even in the gas retailing/CGD side, Your Subsidiary Company, has pioneered installation of electronic meters with digital bill payment options as an ingredient for creating smart city environment in this sector.

#### Performance and Dividend:

The company grossed Rs. 51,614 crore in topline and Rs. 2,299 crore in profit after tax in an overall challenging context of declining domestic gas availability, curtailed feedstock supply to petrochemicals production and dwindling demand for long-term gas volumes. Although downward pricing pressure and compression in segmental margins have impacted profitability by about 24% on a year-on-year basis, the company's Board has recommended a total dividend of 55% of the paid-up share capital to serve shareholder interests.

#### Corporate Governance:

GAIL has received for the 7<sup>th</sup> year in a row 'NIL' comments from the CAG for FY 2015-16. Your Company has always been proactive in upholding ethical standards across the enterprise in all its endeavours.

#### Winning Societies... CSR Way:

GAIL has been recognised as the Leading PSU by Economic Times, in a study on "The Best Companies for CSR" published in October 2015, for its transformative ground work in improving lives of the under privileged, with an overall ranking of 7 among the country's Top 10 Corporates. Your Company has touched over half a million lives through its various CSR development programmes. Our CSR program 'Utkarsh' has yet again delivered outstanding results with 94% of the candidates making it to top-ranked engineering institutes of the country, including the coveted IITs – the modern temples of higher learning.

#### Conclusion:

GAIL is re-positioning itself to cater to the changing needs of its consumers and is focussed on attuning itself to providing consumer centric services across the natural gas value chain.

#### Acknowledgement:

I am privileged to have the opportunity to thank you for your conviction and continued support to GAIL's endeavours. I also extend my gratitude to the Central Government, MoPNG and State Governments for supporting and nurturing GAIL in its objectives of serving the Nation.

The year witnessed the Board being deeply engaged in shaping policy decisions for the growth of the company. I express my thanks to the dedicated team of Board members.

A dedicated and talented workforce has been a pillar of GAIL's strength. I thank them for striving to create wealth for Stakeholders and in taking the company forward.

Thank You Ladies and Gentlemen.



B.C. Tripathi

September 23, 2016

Chairman & Managing Director

**Note:** Excerpts from the Chairman's speech at the 32nd Annual General Meeting held on the 23rd September, 2016 at New Delhi. This does not purport to be a record of the proceedings of the Annual General Meeting.



## **GAIL (India) Limited**

Regd. Office: 16, Bhikaiji Cama Place, R. K. Puram, New Delhi - 110066  
[www.gailonline.com](http://www.gailonline.com)

Corporate Identification No. : L40200DL1984GOI018976